16 ग्राम पंचायतों को नव सृजित शाहपुरा जिले में शामिल करने का विरोध जारी

माण्डलगढ़ की 16 ग्राम पंचायतों के ग्रमीणों का सरकार के प्रति फिर गुस्सा फूटा

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ की 16 ग्राम पंचायतों को भीलवाड़ा जिले से निकाल कर नव सृजित शाहपुरा जिले में शामिल करने के मामले में ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन फिर शुरू हो चुका है। तीन दिन में मांग नहीं मानी गई तो शुक्रवार से धरना प्रदर्शन और

■ **मुख्यमंत्री के आश्वासन पर एक माह के धरने को किया गया था स्थगित**

आगामी विधानसभा चुनाव में वोट बहिष्कार की चेतावनी ग्रामीणों ने सरकार को दे डाली हैं।

सरपंच चंदा देवी प्रजापत ने बताया कि माण्डलगढ़ की 16 ग्राम पंचायतों को फिर से भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की माँग को लेकर माण्डलगढ़ में सरपंच संघ और मानपुरा बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में ग्रामीणों ने गत दिनों उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के बाहर एक माह तक धरना प्रदर्शन किया था।

इस दौरान मुख्यमंत्री, मंत्री के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के दो प्रतिनिधियों ने 10 दिन में 17 सितंबर तक मांग पूरी करने का आश्वासन दे कर ग्रामीणों के धरने को स्थगित करा दिया था। एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी माण्डलगढ़ की 16 ग्राम पंचायतों को शाहपुरा जिले से हटाने का सरकार ने निर्णय नही किया हैं। इस मामले को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा और सोमवार को माण्डलगढ़ एसडीएम महेश गगोरिया के मार्फ़त मुख्यमंत्री को दिए गए ज्ञापन में चेतावनी दी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि 20 सितंबर तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण फिर से धरने पर बैठेंगे तथा आगामी विधानसभा चुनाव में वोटों का बहिष्कार किया जाएगा। ज्ञापन देने में मानपुरा सरपंच चंदा देवी प्रजापत, पूर्व सरपँच भेरूलाल गुर्जर, संघर्ष समिति अध्यक्ष महावीर पराशर, मोती लाल जाट, दिनेश पराशर, बालकिशन जाट, शंकर जाट, रतन लाल जाट गोपालपुरा, बालू भील नवलपुरा, श्याम सिंह नवलपुरा,मनीष जोशी, माहवीर पारीक, रामसुख कुमावत सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

माण्डलगढ़ की शाहपुरा जिले में जोड़ी गई16 ग्राम पंचायतों को वापस भीलवाड़ा जिले में लेने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया।

गहने लेकर घर से भागी दुल्हन

सुजानगढ़, (निसं)। शादी के बाद गहने लेकर घर से भागने वाली दुल्हन के मामले में कोतवाली पुलिस ने शादी कराने वाले दलाल को आसाम से गिरफ्तार किया है। सीआई मुकुट बिहारी मीणा ने बताया कि कोतवाली थाने में 24 अप्रैल को लक्ष्मीनारायण पुत्र आत्माराम सोनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा विवाह नहीं होने पर मेरे घर वाले शादी कराने के लिए प्रयासरत थे। इस दौरान पीडित की भाभी को रतनगढ में भरत पुजारी से मिली। जिसने एक लडकी की फोटो दिखाकर शादी करवाने की बात कही। भरत पुजारी पुत्र हनुमानमल निवासी रतनगढ ने उसको जेनिमा बाधोवार पुत्री जोसेफ से शादी करवाने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद वे आसाम गए। जहां भरत पुजारी व जेनिमा के मामा संजय गोवाला, नवीन गोवाला आसाम के रंगिया में उनसे मिले और जेनिमा के पक्ष में 2 लाख पचास हजार की एफडी बनाने पर शादी करने की सहमति जताई।

इसके बाद अलग अलग समय पर भरत और जेनिमा के दोनों मामा ने उनसे 2 लाख 39 हजार रुपए ऐंठ लिए। उन्होंने इस रकम में से जेनिमा के पक्ष में डेढ लाख रुपए की एफडी करवाकर भिजवाने का वादा किया, जिसके बाद 6 अप्रैल को रतनगढ में उसकी जेनिमा से शादी करवा दी। कुछ दिन उसके साथ रहने के बाद 23 अप्रैल को जब वह जोधपुर गया हुआ था तब जेनिमा सोने चांदी के गहने लेकर गायब हो गई। इसके बाद उसने लक्ष्मीनारायण सहित सभी परिवारजनों के नंबर ब्लैक लिस्ट कर दिए।

तेज रफ्तार बस पलटी, हादसे में नौ यात्री घायल

कोटा से जयपुर की ओर जा रही थी बस

राष्ट्रीय राजमार्ग गुंसी सड़क पर पलटी हुई बस।

निवाई, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गुंसी पुलिस चौकी के सामने सोमवार सुबह करीब पांच बजे कोटा से जयपुर की ओर जा रही ओवरस्पीड बस पलट गई। इस दुर्घटना में बस में सवार नौ यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से निवाई के राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया।

सदर थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया कि सवारियों से भरी एक बस इकलेरा झालावाड़ से जयपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब पांच बजे गुंसी पुलिस चौकी के सामने ओवरस्पीड बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। बस के पलटने से सावरियों में चीख पुकार मच गई और वो मदद के लिए चिल्लाने लगे। उन्होंने बताया कि घटनास्नाथअल से कुछ ही दूरी पर पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी तो ज्यों ही इन्हें सवारियों की चीख पुकार सुनी तो बस की ओर दौड़े। बस का आगे का एक शीशा तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाला। बस के पलटने की जानकारी मिलने पर डिप्टी महावीरसिंह शेखावत एवं सदर थाना प्रभारी जगदीशप्रसाद मीणा जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और 108 एवम हाइवे एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई भर्ती करवाया। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में आशा पत्नी रामबाबू गुप्ता निवासी आगरा रोड जयपुर, काजल पुत्री रामबाबू गुप्ता निवासी जयपुर, यजब पुत्र रामबाबू गुप्ता निवासी जयपुर, यश पुत्र राजकुमार सांखला कोटा, ललित शर्मा पुत्र गोकुल नारायण निवासी झोटवाड़ा जयपुर, गौरव शर्मा पुत्र आनंद शर्मा निवासी कोटा, भगवती पत्नी बजरंग माली निवासी झालावाड़ एवं इसके पुत्र राहुल एवं रवि घायल हो गए। बस के पलटने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। बस के बीच सडक़ मार्ग पर पलट जाने से पुलिस ने वन वे चालू करवाकर यातायात चालू रखा। करीब 2 घंटे बाद दो क्रेनो की सहायता से बस को सडक़ मार्ग से हटाकर पुलिस ने यातायात सुचारू करवाया।

देवर के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले की एक महिला ने अपने ही देवर के खिलाफ महिला थाना धौलपुर में दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित महिला ने रिपोर्ट में बताया है कि वह पेट में पथरी के दर्द से परेशान थी।

जिस पर उसने अपने ससुर और पति से डॉक्टर से दिखाने के लिए कहा। पति ने बीमार होने की कहते हुए अपने बुआ के लड़के के साथ 16 सितंबर को उसे बाइक से धौलपुर भेज दिया। जहां मिलिट्री स्कूल धौलपुर के पास स्थित काले पहाड़ की परिक्रमा करने के दौरान रास्ते में देवर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी ने उसके मोबाइल से सारे नंबर डिलीट कर दिए और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला थाना प्रभारी छवि फौजदार ने बताया कि महिला की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

प्रेमी-प्रेमिका के शव फंदे पर लटके मिले

धौलपुर, (निसं)। राजाखेड़ा शहरी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक प्रेमी जोड़े का शव एक दुकान के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिला, जिससे आसपास के इलाके में सनसनी फैल गयी।

मामले की सूचना पर राजाखेड़ा थानाधिकारी रामखिलाड़ी मीणा के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुँचा, जहाँ एकजुट हुई भारी भीड़ पर नियंत्रण पाकर पुलिस ने बन्द शटर को खुलवाया। जिसमें एक महिला और पुरूष एक ही फंदे पर लटके मिले। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लिया और राजाखेड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वहीं इस मामले को लेकर एडिशनल एसपी ओमप्रकाश मीणा धौलपुर से राजाखेड़ा पहुँचे, जहाँ उन्होंने मामले की जानकारी और प्रथम दृष्टया इस मामले को आत्महत्या का बताया। मामले में मृतक युवक के पिता अर्जुन सिंह निवासी खुडिला राजाखेड़ा ने तहरीर देते हुए बताया कि मेरा पुत्र कन्हैया उर्फ श्रीकृष्ण राजाखेड़ा में डी जे की दुकान पर कार्य करता था। 16 सितंबर को सुबह 10 बजे घर से रोजाना की तरह काम पर निकला था। लेकिन शाम को जब घर पर नहीं पहुंचा तो हमने उसे फोन पर संपर्क किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। जब हमने दुकान पर जाकर देखा तो दुकान बंद मिली। जिसके बाद हमने अपने पुत्र को उसी दिन से रिश्तेदारी एवं उसके मित्रगण एवं आसपास तलाश ली। लेकिन मेरे पुत्र का कोई पता नहीं चला। सोमवार को 11 से 12 बजे के करीब शिव कुमार के मोबाइल द्वारा कॉल आया कि तुम्हारे पुत्र कन्हैया की चप्पल हमारे दुकान के अंदर पड़ी है। नीचे शटर में से देखा तो उसमें कन्हैया के होने का शक हुआ। जब पता चला कि उसका शव फंदे पर लटका है। जानकारी के अनुसार मृतक महिला आगरा जिले के रहलयी क्षेत्र की निवासी है। बताया जा रहा है कि दोनों में प्रेम संबंध थे।

पारिवारिक विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या

छबड़ा, (निसं)। क्षेत्र के गुगोर किले में वृद्ध महिला का शव मिलने की सूचना से सनसनी फैल गई। छीपा बड़ौद पुलिस ने किले में पहुंचकर महिला की परिजनों से शिनाख्त करवाई और छबड़ा चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने पत्नी के भाई की रिपोर्ट पर पति के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। छीपा बड़ौद थानाधिकारी कल्याण सिंह ने बताया कि फरीदा खानम निवासी छीपा बड़ौद का निकाह 17-18 वर्ष पूर्व अटरू निवासी मोहम्मद हसन के साथ हुआ था। पिछले सात-आठ वर्ष से पति-पत्नी के मध्य मन मुटाव होने से न्यायालय में भी प्रकरण विचाराधीन था। 15 सितंबर को मोहम्मद हसन ने अपनी पत्नी फरीदा खान को फोन कर के छबड़ा बुलाया। इस पर मृतका अपने घरवालों को अटरू जाने की बात कहकर छबड़ा आ गई। यहां पति ने न्यायालय में चल रहे प्रकरण में राजीनामे की बात कही और मृतका को ऑटो में बिठाकर गुगोर किले में ले गया और पति मोहम्मद हसन ने अपनी पत्नी फरीदा खानम की हत्या कर दी। पुलिस ने पति के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली इवेंट ऑर्गेनाइजर करने वाली युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 23 वर्षीय युवती ने थाने में लिखित शिकायत देते दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज शिकायत में पीड़ित युवती ने बताया कि वह शादियों पार्टी में इवेंट आर्गेनाइजर का काम करती है। करीब एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए रवि नाम के व्यक्ति से उसकी जान पहचान हुई थी। आरोपी ने उसे कहा कि उसकी शादी है उसके लिए कैटरिंग व स्टाफ की जरूरत पड़ेगी इसके बाद आरोपी ने उसका नंबर ले लिया।

उसके बाद आरोपी उसे व्हाट्सएप पर कॉल कर शादी में कैटरिंग व स्टाफ की व्यवस्था करवाने की बात करते हुए पीड़िता को अपने जाल में फंसा लिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी के द्वारा उसे अजमेर में शादी समारोह स्थल देखने के लिए बुलाया गया। जब वह अजमेर पहुंची और बाद में मोटरसाइकिल पर बैठकर शादी समारोह स्थल दिखाने के लिए ले गया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी शादी समारोह स्थल दिखाने के बाद उसे अपने फार्म हाउस पर बने कमरे में ले गया, जहां उसे कुछ पीने के लिए दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। पीड़िता ने बताया कि बेहोशी में आरोपी के द्वारा उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। जब वह होश में आई तो आरोपी ने उसे धमकी दी कि अगर उसने यह बात किसी से कहीं तो वह उसकी अश्लील वीडियो को वायरल कर देगा। पुलिस उपाधीक्षक रामचंद्र चौधरी ने कहा कि मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी श्याम सिंह चरण के द्वारा जांच किए जा रही है।

आमरण अनशन पर बैठे चौपदार

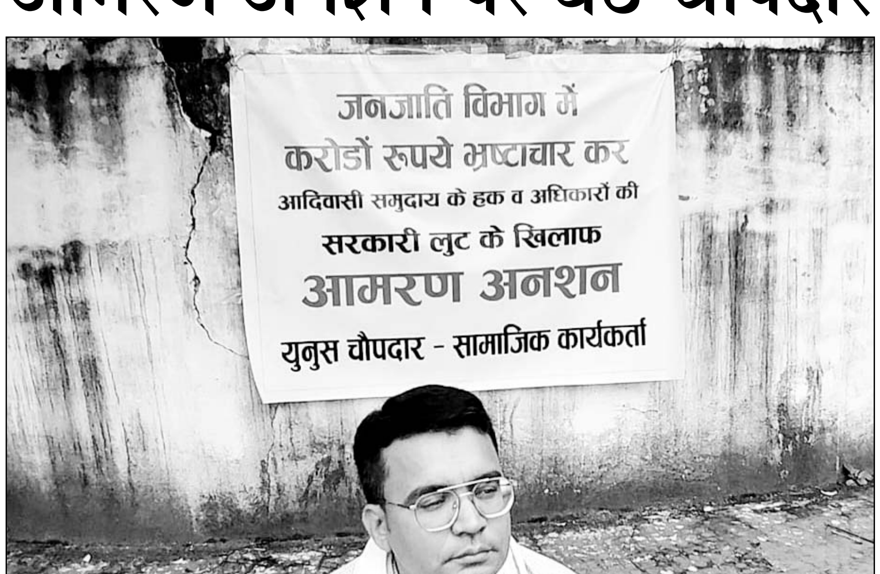

उदयपुर। सामाजिक कार्यकर्ता युनुस चौपदार टीएडी आयुक्त कार्यालय पर अनशन पर बैठ गये हैं। चौपदार ने टीएडी व स्वच्छ परियोजना पर घोटालों के आरोप लगाये थे। विगत 14 महीनों में कई घोटालों का खुलासा किया। सभी मामलों में टीएडी में जांच जारी है लेकिन आज तक कोई भी जांच पूरी नहीं हुई। इस मामले में चौपदार ने मंत्री बामणिया व पूर्व आयुक्त राजेंद्र भट्ट की मिलीभगत के आरोप लगाये थे। अब कार्यवाही की मांग को लेकर चौपदार आमरण अनशन पर बैठे हैं।

फसलें खराब, मुआवजा मांगा

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के मंडली गांव के किसानों ने मुआवजे की मांग को लेकर सोमवार को कृषि मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम से तहसीलदार ओम अमृत को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण नाथू सिंह भाटी ने बताया कि कल्याणपुर तहसील क्षेत्र मण्डली के गांवों में आस पास गांवों में हुई बरसात से किसानों के खेतों में पक्की हुई और कटी हुई फसल बारिश में भीगकर खराब हो चुकी है। खरीफ 2023 में बिपरजॉय तूफान में हुई अच्छी बरसात से इस बार लोगों ने बंपर बुवाई की, लेकिन निराई गुडाई के लंबे समय से बरसात नहीं हुई। जिससे इस साल उपज भी कम हुई, लेकिन अचानक आई बरसात से किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया। अधिकतर किसान फसल बीमा करवाते हैं, लेकिन काफी किसान बीमा से भी वंचित है। विभाग कंपनी की प्रतिनिधि अभी तक फसल खराबी का सर्वे करने भी नहीं पहुंचे हैं। कंपनी के टोल फ्री नंबर पर कॉल नहीं हो पा रहा है। किसानों ने चेतावनी देते हो कहा कि समय रहते हमारे फसल खराबी का मुआवजा नहीं मिला तो समस्त किसान बडे स्तर पर आंदोलन करेंगे।

मोबाइल नहीं मिलने पर सरकार व मंत्री जूली के खिलाफ नारेबाजी

मोबाइल नहीं मिलने पर चांदोली ग्राम पंचायत की महिलायें एवं छात्राएं उग्र हो गई।

अलवर, (निसं)। राजस्थान सरकार की मुफ्त मोबाइल योजना आखिर सरकार के लिए सिरदर्द बन कर उभर रही है। जिन महिलाओं के वोट बैंक को हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत इतने आशान्वित थे वही आशा अब सरकार के लिए निराशा में बदलने वाली है। क्योंकि इसके उदाहरण अब सामने आने लग गए हैं। महिलाएं सरकार व केबीनेट मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार की सारी मंशाओं पर पानी फेर रही हैं।

सोमवार को उमरेण पंचायत समिति में चांदोली ग्राम पंचायत की मेव समाज की महिलाएं अपना मोबाईल लेने पहुंची । लेकिन मोबाईल नहीं मिलने पर विधवा महिलाएं और छात्राएं उग्र हो गई और उन्होंने केबीनेट मंत्री टीकाराम जूली और राजस्थान सरकार मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाते हुए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही केबीनेट मंत्री को चेतावनी दी कि जो सरकार जनता को गुमराह कर रही है उसे हम सबक सिखा कर रहेंगी। वहीं अभी तो सरकार इन्ही का गुस्सा झेल रही है अगर समय अवधि में प्रदेश की सभी महिलाओं को मोबाईल फोन नहीं मिले तो सरकार जिन महिलाओं के वोट पर रिपीट होने की सोच रही थी वही महिलाएं सरकार को डिलिट करने में देर नहीं लगाएगी।

नम आंखों से ग्रामीणों ने शहीद जवान को दी अंतिम विदाई

भारतीय सेना की ओर से शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ तहसील के गांव लंबोर बड़ी निवासी भारतीय सेना के 28 वर्षीय शहीद जवान हवलदार योगेश जणावा का पार्थिव शरीर राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ सोमवार को दोपहर बाद 3.30 बजे सादुलपुर शहीद स्मारक पहुँचा।

देर शाम को सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गाँव में कर दिया गया। वहीं मोटरसाइकिल पर सवार सैकडो युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर तिरंगा यात्रा निकालकर देश भक्ति का माहौल बना दिया। इसी दौरान भारतीय सेना के ट्रक में रखे शहीद के पार्थिव शरीर और सेना के अधिकारी आगे चल रहे थे। तथा काफिला इतना बड़ा था कि गांव से लेकर सादुलपुर तक सडक़ पर भीड उमडी रही। युवाओं और लोगों के जोश को देखकर सेना के अधिकारियों की भी आंखें नम हो गई थी। वहीं लम्बोर बडी गांव में गत दो दिनों से शोक की लहर छाई हुई है। इसी बीच जैसे ही शहीद योगेश जणावा का पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया। शहीद की बहन बबीता का रो-रो कर हाल बुरा था। वहीं शहीद की पत्नी बेसुध हो गई। जिसे सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ कृष्णा पूनियां ने संभाला। वहीं माता-पिता का हाल बेहाल था। गांव की महिलाएं सात्वना दे रही थी। हांलाकि गाँव के प्रमुख लोग शहीद के पिता पृथ्वी सिंह को संभाल रहे थे। वहीं रस्म परंपराओं का निर्वहन करते समय शहीद के 04 वर्षीय पुत्र हरदीप तथा 09 माह की नवजात पुत्री निशा अपने पिता तथा पत्नी सुदेश अपने पति के अंतिम दर्शन के लिए आए तो उपस्थित लोगों की आँखे नम हो गई। वहीं अंतिम यात्रा प्रारंभ होने से पहले भारतीय सेवा के जवानों ने शहीद को सलामी दी। तथा पार्थिव शरीर से तिरंगा उतार कर सेना अधिकारी को सुपर्द किया गया। अंतिम शव यात्रा में गाँव का हर व्यक्ति सहित आसपास के गाँव के हजारों ग्रामीणों उपस्थित थे। अंतिम यात्रा जैसे ही रवाना हुई तो समूचा गाँव भारत जिंदाबाद तथा शहीद योगेश जणावा अमर रहे के नारों से गूंज उठा। वहीं अंतिम संस्कार से पूर्व भारतीय सेना की ओर से मातमी धुन बजाकर शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। तथा 7 हवाई राउंड गोलियां चलाकर एवं शस्त्र उल्टा कर शहीद को अंतिम सलामी दी गई। शहीद को मुखाग्नि शहीद के 4 वर्षीय पुत्र हरदीप ने दी। इस अवसर पर प्रतिपक्ष उप नेता राजेंद्र राठौड़, सडक़ परिवहन मंत्री विजेंद्र ओला सहित सादुलपुर विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया, पूर्व विधायक कमला कस्वा, पूर्व विधायक मनोज न्यांगली, पूर्व प्रधान निर्मला सिंघल, भाजपा जिला अध्यक्ष हरलाल सहारण, भाजपा नेता प्रो. दिलीप सिंह पूनिया, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक ओमप्रकाश खीचड़, सरपंच प्रतिनिधि जोगेंद्र सिंह फगेडिय़ा, सूबेदार काशीराम आदि ने भी शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद की अंतिम शव यात्रा निकालते सेना के जवान व ग्रामीण।

धरना-प्रदर्शन में शामिल हुये भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां

जयपुर। नागौर के नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर धरना-प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये ।

■ **भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर किया धरना-प्रदर्शन**

डॉ. पूनियां ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि, राजस्थान में रोज औसतन 07 हत्या होती हैं, 18 दुष्कर्म, अब तक 7 लाख मुकदमे राजस्थान की धरती पर दर्ज हो गए। जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। आपने कांग्रेस सरकार के खिलाफ इतनी मजबूती के साथ इस धरने की शुरूआत की है, कई बार राख जब चिंगारी बनती है तो उसमें सत्ता का तानाशाही सिंहासन भी जल कर राख हो जाता है। हरीश कुमावत का अभिवादन करता हूं कि आपने अनिश्चितकाल धरने की घोषणा की है, मैं आपको भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हरीश का पसीना इस सरकार के ताबूत में अंतिम कील साबित होगा, इस शुरूआत में आगाज का अंजाम भाजपा का कार्यकर्ता लिखेगा, इस सरकार के 40 साल का लेखा-झोखा करेंगे तो और यदि मैं एक एक घटना का उल्लेख करूं तो आपके मन में आक्रोश व सहानुभूति पैदा होगी। एक तो अपराधी होता है, एक अपराध का षडयंत्र करने वाला होता है और एक अपराध को चुपचाप देखने वाला होता है, दोषी सब हैं, लेकिन में पूछता हूं कि जिन्होंने जनघोषणा पत्र में राजस्थान की आवाम, जनता को यह कहा था कि हमारी सरकार आयेगी तो हम सुरक्षा देंगे, पूछता हूँ कि कि राजस्थान का गृहमंत्री मौन क्यों है, मौन इसलिए है वो जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या का जिम्मेदार है, जन सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल हैं। जिन किसानों की कर्जामाफी का वादा किया था, ऐसे 60 लाख किसान, 1 लाख 20 हजार करोड़ का कर्जामाफी का इंतजार कर रहे हैं। जयपाल को तो बदमाशों ने मारा लेकिन श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में ठाकरी गांव का सोहनलाल कड़ेल जिसने आत्महत्या करते हुए लाइव वीडियो जारी कर कहा कांग्रेस सरकार के छलावे के कारण आत्महत्या कर रहा हूं, जिसके जिम्मेदार राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं। इसकी चर्चा हम सड़क से सदन तक करते हैं। राजस्थान के 9 हजार किसान जिनकी जमीनें नीलाम हो गई, दर्जनों किसानों ने आत्महत्या कर ली। एम्बुलेंस के बाहर एक पीडिता रोटी मांग रही थी, रोटी नहीं मिली और उसकी अस्मत लूट ली गई। एक वर्ष में राजस्थान में 6 हजार 337 बहन बेटियों इसी गृहमंत्री से मुख्यमंत्री से जवाब मांगती हैं।

डॉ. राममनोहर लोहिया कहते थे कि जिंदा कौमें 5 साल इंतजार नहीं करती है, पांच साल में तो राज बदलता है, लेकिन जब इकबाल व भरोसा खत्म हो जाए, आपने थाने के बाहर एक लाइन लिखी देखी होगी आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर, लेकिन नावां के जयपाल की दिनदहाड़े हत्या ये क्या साबित करती है कि अपराधियों को पूरा भरोसा है और आम जनता इतनी भयभीत है कि किसी पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए घर से बाहर निकलने में भी डर है। उसको डरा दिया जाता है, उसको मजबूर किया जाता है, लेकिन मजबूरी ज्यादा दिन नहीं चलती। भारत का सबसे शांत प्रदेश और दुनिया घूमने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान इसलिए आता है कि यहां शांति, सुरक्षा, सदभाव है, लेकिन इस सबको बिगाड़ने व नजर लगाने का गैर जिम्मेदार कोई है तो वो मुख्यमंत्री हैं।